सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 33 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 6 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

इस बात को व्यक्त मत होने दीजिये कि आपने क्या करने के लिए सोचा है, बुद्धिमानी से इसे रहस्य बनाये रखिये और इस काम को करने के लिए दृढ रहिये।
-चाणक्य

राबड़ी के घर पहुंची सीबीआई : बिहार में... 8 | राजस्थान में फिर रंग में आ सकती... 3 | तमिलनाडु-बिहार विवाद पर केंद्र की... 7

संजय शर्मा की रिट पर एनजीटी ने यूपी-बिहार के चीफ सेक्रेटरी और भारत सरकार के तीन सचिवों को किया तलब

» 10 अप्रैल को पेश होने का आदेश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गंगा में कोरोना काल के दौरान शव फेंकने के मामले में नेशनल ग्रीन टिब्यूनल (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश व बिहार सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी ने इस पर दायर याचिका पर सरकारों द्वारा जवाब न देने पर दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों को 10 अप्रैल को पेश होने का आदेश दिया है। इसके अलावा भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण सचिव और सचिव जल शक्ति मंत्रालय के साथ निदेशक क्लीन गंगा को भी उसी दिन कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया है।

24 मई 2021 को एनजीटी में सारे सबूतों के साथ याचिका दाखिल की थी

कोरोनाकाल के दौरान शवों को गंगा में फेंकने का मामला

सरकार को भेजी थी कॉपी

4PM के संपादक संजय शर्मा ने 24 मई 2021 को एनजीटी में सारे सबूतों के साथ याचिका दाखिल की थी। इसकी कॉपी बाकायदा यूपी के तत्कालिक मुख्य सचिव को भी दी गयी थी जिसमें कहा गया था कि कोरोना के चलते नदी में शवों को प्रवाहित करने और इनके तटों पर शवों को दफनाने से नदियों का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। साथ ही इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई थी। बावजूद इसके तब सरकार ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया था। हैरानी की बात यह है कि केंद्र सरकार तक ने संसद में बताया था कि उसे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि कितने शवों को गंगा में बहाया गया। हालांकि केंद्र ने कोविड-19 प्रोटोकॉल के साथ शवों का उचित तरीके से अंतिम संस्कार करने के लिए राज्यों को कहा था।

4PM के संपादक संजय शर्मा ने उठाया था मुद्दा

गौरतलब हो कि यह याचिका 4PM के संपादक संजय शर्मा ने एनजीटी में दायर की थी। उन्होंने इस याचिका में कहा था कि कोरोना काल में यूपी और बिहार के सरकारों ने बेहद लापरवाही बरती और लाशों को गंगा के तट पर फेंक दिया जिससे पर्यावरण को भारी नुक़सान हुआ। यह गंगा के तटों को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की खुली अवहेलना है। इससे पहले 16 मई 2022 को एनजीटी ने यूपी और बिहार के मुख्य सचिव के साथ भारत सरकार के अधिकारियों को भी इस मामले में अपना शपथ पत्र देने को कहा था मगर शपथ पत्र दाख़िल नहीं हुआ। इस पर एनजीटी ने गहरी नाराज़गी व्यक्त करते हुए इन अफ़सरों की व्यक्तिगत पेशी का आदेश जारी कर दिया।

एनजीटी ने पूछा था-कितनी लाशें तैर रही थीं

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश और बिहार की सरकारों को निर्देश दिया था कि वे गंगा नदी पर तैरते हुए पाए गए मानव शवों की संख्या के साथ-साथ दोनों राज्यों में नदी पर दफन किए गए शवों की संख्या के बारे में सूचित करें।

जस्टिस अरुण कुमार त्यागी की पीठ का आदेश

जस्टिस अरुण कुमार त्यागी की पीठ ने एक विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफ़रोज अहमद के साथ यह आदेश 21 फरवरी 2023 को दिया। इससे पहले पीठ ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) और अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य), और यूपी और बिहार दोनों सरकारों को तथ्यात्मक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। खंडपीठ ने उन शवों की संख्या के बारे में पूछा, जिनके दस्तावेज गंगा नदी में तैर रहे थे और उन शवों की संख्या जो उक्त राज्यों में 2018 और 2019 में कोविड-19 से पहले नदी तल पर दफनाए गए थे।

स्थायी तंत्र बनाने का आग्रह भी किया था

वरिष्ट पत्रकार संजय शर्मा ने अपनी याचिका में कोविड से संक्रमित शवों के निपटान के लिए उचित कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने व एक स्थाई तंत्र बनाने की मांग की थी। उनके आग्रह पर एनजीटी ने निर्देश दिया था कि वे नदियों में शवों के निपटान को विनियमित करने के लिए स्थायी तंत्र तैयार करें, और मृतक को एक सभ्य दफन और दाह संस्कार के मौलिक अधिकार को प्रभावी बनाने के लिए श्मशान घाट का सहारा लेने के लिए प्रोत्साहित करें। वहीं नदी के तल के पास रहने वाले लोगों की उचित और पूर्ण स्वास्थ्य जांच व उपचार के निर्देश भी दिए।

गरीबों को इस सरकार में न्याय नहीं मिल सकता : अखिलेश यादव

सिलेंडर वाली सांसद की याद दिलाई, बोले- महंगाई चरम पर है

» सभी 80 सीटों पर लड़ेगी सपा

» ग्रुप फोटोग्राफी में दोनों डिप्टी सीएम की अनुपस्थिति का स्पष्टीकरण दे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे 2024 के लोकसभा चुनाव करीब आते जा रहे हैं सपा भजपा पर अक्रामक होती जा रही। सपा प्रमुख को जबभी मौका मिलता है केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार को घेरने का कोई भी मौका नही छोंड़ते हैं। उन्होंने कहा बीजेपी ने अच्छे दिन का वादा कर आम लोगों का चैन छीन लिया है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा कर उन को बर्बाद करने का काम किया है।

बुलडोजर के पास दिमाग नहीं होता है। वह कहीं भी चल जाता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमेठी में जनता को सिलेंडर वाली सांसद की याद दिलाई और कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की पुत्री के विवाह में शामिल होने आए अखिलेश प्रदेश सरकार पर जमकर हमलावर रहे। इस दौरान अखिलेश ने प्रदेश की भाजपा सरकार समेत मुख्यमंत्री और अमेठी सांसद स्मृति ईरानी पर जमकर निशाना साधा। अमेठी अपने नाम से ही जानी जाती है। जो लोग राजनीति में रुचि रखते हैं वे अमेठी को जानते हैं। अखिलेश ने कहा क प्रदेश के हालात आप से छिपे नहीं हैं। अगर गरीब हैं तो इस सरकार में उसे न्याय नहीं मिला सकता। विपक्ष ने जो भी सवाल उठाए उसके जवाब नहीं दिए गए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के लोग सिर्फ 40 लाख करोड़ का सपना दिखा रहे है। कारखाने लगाने वाले उद्योगपति यहां से फरार हो गए। हमारा गठबंधन सभी 80 सीटों पर लड़ेगा। हम समाजवादी रामचरित मानस के खिलाफ नही है। उन्होंने कहा कि किसी मुख्यमंत्री का आवास गंगाजल से नहीं धोना चाहिए। मैंने कहा कि आप टॉप 10 अपराधियों की सूची निकलवाये। 24 में सपा अपने गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेगी। राहुल गांधी के साथ चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि जिससे गठबंधन है उसी के साथ चुनाव 2024 का चुनाव लड़ा जाएगा। सपा अध्यक्ष ने विधानसभा सत्र के अंतिम दिन सभी सदस्यों की हुई ग्रुप फोटो के दौरान दोनों उप मुख्यमंत्रियों की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया है। उन्होंने विधायकों की ग्रुप फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि दोनों उप मुख्यमंत्रियों के बिना खींची गई विधायकों की तस्वीर अधूरी है। हमारी मांग है कि सरकार की तरफ से उनकी अनुपस्थिति का ये स्पष्टीकरण आए कि क्या वे लोग आए नहीं या बुलाए नहीं गए? क्या उप मुख्यमंत्रियों के पद का कोई महत्व है या नहीं?

आरिफ से मिले अखिलेश

अमेठी। अखिलेश जामो ब्लॉक के मंडखा गांव आरिफ के घर पहुंच गए। आरिफ इन दिनों सारस पक्षी की दोस्ती को लेकर सोशल मीडिया से लेकर अखबारों तक में छाए हुए हैं। वहां पहुंच उन्होंने आरिफ से सारस से हुई दोस्ती के बारे में जानकारी ली। मीडिया से मुखातिब हुए अखिलेश ने कहा कि सारस का मित्र बनना बड़ी बात है। कहा कि सपा सरकार में उनकी ओर से सारस मित्र कार्यक्रम चलाया गया था। उन्होंने सारस को स्टेट पक्षी भी घोषित किया था।

टारगेट करके चल रहा बुलडोजर : शिवपाल

इटावा। सपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमने अच्छे विपक्ष की भूमिका निभाई है। सदन में जनता की समस्याएं उठाई गई हैं। जनता के मुद्दों को उठाने के साथ ही सरकार को सुझाव भी दिए हैं। दिबियापुर विधायक प्रदीप यादव के आवास पर आए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ने छह साल में कोई काम नहीं किया। कोई भी वादा पूरा नहीं किया। सड़कें, पुल, पुलिया कुछ नहीं बनवाया। किसानों की आय दोगुनी, नौजवानों को रोजगार के वादे झूठे साबित हुए हैं। इनका खुफिया तंत्र बेकार है। लोगों को टारगेट करके बुलडोजर चलाया जा रहा है। वहीं एक अस्पताल के उद्घाटन समारोह में पूर्व मंत्री ने कहा कि दवाएं महंगी होने से गरीब इलाज नहीं करा पा रहे है। भाजपा सरकार में जीएसटी समेत कई टैक्स के बोझ से जनता परेशान है।

विजयन मोदी की राह पर

» वीडी सतीशन ने केरल के न्यूज कार्यालय पर पुलिस छापेमारी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल में एशियानेट न्यूज कार्यालय पर हुई पुलिस की छापेमारी के बाद मुख्यमंत्री पी विजयन विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने मुख्यमंत्री पर जमकर तीखा हमला किया।

उन्होंने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री साबित कर रहे हैं कि वह धोती में मोदी हैं। जो मोदी ने बीबीसी के दफ्तर में वही मुख्यमंत्री ने यहां एशियानेट न्यूज के दफ्तर में किया। एशियानेट न्यूज मलयालम के प्रमुख न्यूज चैनलों में से एक है। इसपर विधायक पीवी अनवर की शिकायत के आधार पर रविवार को पुलिस की छापेमारी की गई। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री साबित कर रहे हैं कि वह धोती में मोदी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बीबीसी

कार्यालय में जो किया वही यहां एशियानेट न्यूज कार्यालय में मुख्यमंत्री कर रहे हैं। यह असहिष्णुता का एक स्पष्ट संकेत है। दोनों (सीएम और पीएम) आलोचकों को डराने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि राज्य सरकार जहां एक ओर मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर माकपा नेता नशीले कारोबार में लिप्त हैं और जब इसके खिलाफ मीडिया रिपोर्ट करती है तो सरकार और माकपा को समस्या आ रही है।

मर्यादा भूली भाजपा : खाचरियावास

» राजस्थान के मंत्री बोले- महिलाओं का अपमान कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि भाजपा पूरी तरह से बिखर गई है। भाजपा में महिलाओं का अपमान किया जा रहा है, जिस देश में लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा होती है, उसी देश में धर्म की दुहाई देने वाली भाजपा अपनी महिला नेताओं का अपमान करके आगे नहीं बढ़ सकती।

खाचरियावास ने कहा कि जिस घर में और पार्टी में महिलाओं का अपमान होता है वो पार्टी आगे नहीं बढ़ पाती। उन्होंने कहा कि वसुंधरा राजे के समर्थकों ने चार मार्च को उनका जन्मदिन सालासर बालाजी में

मनाने की घोषणा कर दी थी, उसके दो दिन बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने भाजपा के विरोध प्रदर्शन जुलूस की चार मार्च को ही घोषणा कर दी। भाजपा में इतना टकराव हो गया है कि जब चार मार्च को सालासर बालाजी का कार्यक्रम घोषित हुआ तो भाजपा के दूसरे नेता ने अपना प्रदर्शन भी घोषित कर दिया, इससे स्पष्ट है कि भाजपा नेता अपने वजूद और कुर्सी की लड़ाई लड़ने में लगे हुए हैं। अब आपसी सम्मान, मर्यादा और संस्कार भी भूल गए हैं। खाचरियावास ने कहा कि जहां कांग्रेस सरकार जनता को महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से मुक्ति दिलाने के लिए 100 यूनिट बिजली फ्री कर चुकी है, चिरंजीवी योजना में प्रत्येक नागरिक का 25 लाख तक का इलाज फ्री है, ओल्ड पेंशन स्कीम लागू कर दी गई है, बुजुर्ग विकलांग विधवा पेंशन मिनिमम 1000 रुपये कर दी गई है। हमारा बजट जनता को समर्पित है, बजट सभी जगह लोकप्रिय और लोगों में चर्चा का विषय है। हमें पक्का विश्वास है कि राजस्थान की जनता 2023 में फिर आशीर्वाद देगी। हम भारी वोटों से जीतेंगे और एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी।

भागवत का बयान चुनावी है : प्रवीण तोगड़िया

» कहा- भगवान के लिखे ग्रंथों की समीक्षा मानव कैसे कर सकता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (सपा) प्रमुख मोहन भागवत के ग्रंथों की समीक्षा वाले बयान पर हिंदुवादी नेता प्रवीण तोगड़िया ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दु:खद है कि कोई ग्रंथों की समीक्षा की बात कहता है। ग्रंथ तो स्वयं भगवान ने ही लिखे थे। फिर इसकी समीक्षा कैसे की जा सकती है! क्या मुसलमान के किसी ग्रंथों की समीक्षा की बात अब तक किसी ने कही है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद् के संस्थापक अध्यक्ष तोगड़िया ने कहा संघ प्रमुख का यह बयान आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर दिया हुआ प्रतीत होता है। मैं भी संघ में काफी वर्षों तक रहा हूं, लेकिन आज तक किसी ने ऐसी बात नहीं कही। इस तरह का बयान आपत्तिजनक है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है।

राजस्थान में फिर रंग में आ सकती हैं राजे

» जन्मदिन के बहाने दिखाई ताकत, पार्टी नेतृत्व पर दबाव की रणनीति

» कांग्रेस में भी उथल-पुथल, पायलट भी सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं वहां की सियासत के रंग भी चटक होते जा रहे हैं। हालांकि ये रंग राजनैतिक दलों के चेहरे को बदरंग भी कर सकते हैं। ये बेरंगे रग भाजपा व कांग्रेस दोनों खेमों से बरस रहे हैं। जहां देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में सीएम अशोक गहलोत व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच खटपट की खबरें आ जाती हैं। ताजा सुर्खियो में राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे हैं। असल में वसुंधरा का आगामी 8 मार्च को जन्मदिन है पर उन्होंने होली की वजह से उसे चार दिन पहले ही मनाने का फैसला किया इसी के मद्देनजर उन्होंने एक रैली भी की। उनके इस कार्यक्रम को राजनैतिक गलियारें में शक्ति प्रदर्शन के रुप में देखा जा रहा है।

कुछ का कहना है कि आगामी चुनाव में राजे शायद यह सोच रही हैं कि पार्टी आलाकमान उन्हें राजस्थान में अहम रोल या सीएम के चेहरे के रुप में पेश करे। ये तो आने वाला समय ही बताएगा कि राजे का राजस्थान में क्या भूमिका होती है परंतु रैली के बहाने उन्होंने अपनी ताकत व बात संकेत में पहुंचाने की पूरी कोशिश की है।

वसुंधरा राजे ने अपना जन्मदिन शनिवार को सालासर में बालाजी मंदिर के दर्शन के साथ मनाया। इस दौरान एक बड़ी रैली को भी सम्बोधित किया। उनके जन्मदिन के मौके पर करीब 1,00,000 लोगों ने एक साथ हनुमान चालीसा का भी पाठ किया। वसुंधरा के इस आयोजन को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन कल ही भाजपा के राज्य संघठन की ओर से कहा गया कि संगठन के सभी लोग शामिल होंगे, कहा जा रहा है कि मैसेज गलत न जाए, इसलिए संगठन के नेताओं ने भी इसमें शामिल होने का निर्णय लिया है, क्योंकि आज ही भाजपा ने मुख्यमंत्री आवास के घेराव का ऐलान किया था, जबकि उससे पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के जन्मदिवस कार्यक्रम का ऐलान हो चुका था, जिसे आपसी टकराव के रूप में देखा जा रहा था।

ये कोई शक्ति प्रदर्शन नहीं है

पूर्व सांसद जसवंत विश्नोई और पूर्व मंत्री यूनुस खान ने दौरान बताया कि ये कोई शक्ति प्रर्दशन नहीं हैं, हमारा संगठन एक है, सब लोग एक साथ मिलकर काम करते हैं। वसुंधरा राजे हमारी राजस्थान की सबसे लोकप्रिय नेता हैं,यूनुस खान ने हाथों से हनुमान चालीसा दिखाते हुए कहा कि हमारे कार्यकर्ता एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे, ये कोई शक्ति प्रर्दशन नहीं है, बल्कि हर साल अलग अलग जगह में ऐसे कार्यक्रम होते हैं। वसुंधरा जी तो हमेशा मंदिर जाति रही हैं। राजस्थान में इस वक्त कांग्रेस की सरकार है, लेकिन इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, और फिर उसके 4 महीने बाद लोकसभा चुनाव हैं। राजस्थान में लोकसभा की 25 सीटें हैं, राजस्थान में हर 5 साल में सत्ता बदलने की परंपरा रही है और बीजीपी इस बार किसी भी कीमत पर राज्य में वापसी चाहती है। इसके लिए हर पार्टी कोई मौका नहीं छोड़ रही है। हालांकि सरकार बनने पर सीएम कौन होगा? ये अभी भी बड़ा सवाल बना हुआ है।

इससे क्या हासिल होगा

वसुंधरा राजे इस शक्ति प्रदर्शन से सेंट्रल लीडरशिप को मैसेज देना चाहती हैं क्योंकि अभी तक बीजेपी ने सीएम फेस का ऐलान नहीं किया है। सीएम की रेस में बने रहने के लिए राजे को ऐसा करना जरूरी माना जा रहा है। इस शक्ति प्रदर्शन के जरिए राजे की खुद को सबसे बड़ी नेता दर्शाने की कोशिश है, हालांकि इसका रणनीति का फायदा उन्हें समर्थकों को बांधे रखने में भी मदद करेगा, इस शक्ति प्रदर्शन को विरोधियो को चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है, क्योंकि ये शक्ति प्रदर्शन सालासर चूरू जिले में है, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और विधानसभा में उप नेता राजेंद्र राठौड़ दोनों का गृह जिला भी चूरू है। दोनों ही नेताओं को वसुंधरा के विरोधी खेमे में देखा जाता है।

कांग्रेस के मंत्री ने कहा- राजे को राजी करने में फायदा

जयपुर। राजस्थान की गहलोत सरकार में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के वजूद को चुनौती दे रही है। भाजपा को मान लेना चाहिए कि वसुंधरा राजे में दम है। एक मित्र के रूप में मैं भाजपा के लोगों को सलाह दे रहा हूं कि वे अगर पूर्व सीएम राजे को राजी करके राजनीति करेंगे तो फायदे में रहेंगे। जिस परिवार में महिलाओं का सम्मान नहीं होता उस परिवार का अंत हो जाता है। मंत्री खाचरियावास ने कहा कि अगर, भाजपा को अपने घर में शांति चाहिए, वोट चाहिए तो उन्हें यह समझना पड़ेगा इस देश की परंपरा महिलाओं का सम्मान करने की है। भाजपा के लोगों को वसुंधरा जी से लड़ाई नहीं करनी चाहिए, उनके जन्मदिन में जाना चाहिए। ये कैसी लड़ाई है कि दो बार की मुख्यमंत्री रहीं नेता को जन्मदिन नहीं मनाने दिया जा रहा है। उनके जन्मदिन को लेकर भाजपा वालों का पेट दुख रहा है, इसका मुझे दुख है। वे पहले ही घोषणा कर चुकी थीं कि मैं 4 मार्च को अपना जन्मदिन सालासर में मनाऊंगी। जिन्हें जाना है वे जाते और बधाई देते, जिन्हें नहीं जाना वे नहीं जाते, लेकिन चार मार्च को प्रदर्शन का ऐलान नहीं करना चाहिए था। पूर्व सीएम राजे पहले ही घोषणा कर चुकी थीं, इसमें उनकी गलती नहीं है। ये लोग गलत हैं, मैं न्याय के साथ हूं। भाजपा के सभी नेता पूर्व सीएम को बधाई देने सालासर जाएंगे और कल जयपुर में होने वाला प्रदर्शन फेल होगा।

बिहारियों की पिटाई : सियासत गरमाई

» भाजपा ने एक तीर से साधे दो निशाने

» नीतीश, तेजस्वी और स्टालीन पर भी दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों की पिटाई का मुद्दा गरम है। बिहार से लेकर तमिलनाडु तक सियासत भी तेज हो गई है। जहां इस मुद्दे पर सीएम नीतीश कुमार ने जांच कमेटी बनाने का फैसला किया है वहीं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने ऐसी किसी भी घटना होने से इंकार किया है। उधर तमिलनाडु की सीएम स्टालीन ने भी घटना को नकारा है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने नीतीश व स्टालीन सरकार को घेरा है। सारी पार्टियां 2024 की तैयारी में जुटी हैं। अभी हाल ही में तमिलनाडु के सीएम के जन्मदिन में राजद नेता व राज्य के डिप्टी सीएम तेजस्वी बधाई देने पहुंचे थे।

उनकी इस यात्रा को लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। क्योकि इसी बहाने विपक्ष एकजुटता भी हो सके ताकि बीजेपी को झुकाया जा सके। गौरतलब हो बुधवार की सुबह सड़क पर बेरहमी से पिटाई के एक वायरल वीडियो ने पूरे बिहार में खलबली मचा दी। बताया गया कि तमिलनाडु में बिहारियों को सरेराह मारा जा रहा है। कम पैसों पर काम करने के कारण उन्हें वहां से भगाया जा रहा है। इसी बीच बिहार के सीएम नीतीश कुमार का ट्वीट आया कि उन्हें अखबारों से तमिलनाडु में बिहार के लोगों पर हमले की जानकारी मिली है। अधिकारियों को जांच करने के निर्देश दे दिए। शनिवार को चार लोगों की टीम जांच करने के लिए तमिलनाडु रवाना भी हो गई है।

इस वीडियो में पिटे जा रहे लोग पटना से 170 किलोमीटर दूर जमुई के सिकंदरा ब्लॉक से है बिहार का यही वो जिला है, जहां सबसे ज्यादा लोग तमिलनाडु से भागकर आए हैं। यहां के दो युवकों की वहां मौत की पुष्टि भी हुई है। हालांकि एक की हत्या अफेयर में हुई है, जबकि दूसरे के हिंसा में मारे जाने की बात कही जा रही है। मामले की गंभीरता इसी से लगती है कि प्रशासनिक अधिकारी भी बिहारियों को तमिलनाडु छोड़ने की हिदायत दे रहे स्थानीय लोग रोज आकर उन्हें तमिलनाडु छोड़कर जाने के लिए कह रहे थे। यहां तक कि प्रशासनिक अधिकारी भी उनके इलाके में आकर यह कहते थे कि स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है, वे लोग चले जाएं नहीं तो वे उनकी कोई मदद नहीं कर पाएंगे।

वायरल वीडियो से मची खलबली

विधान सभा में मुखर हुई भाजपा

इससे पहले बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर एक विशेष टीम तमिलनाडु भेजने की मांग की थी। ज्ञात हो कि भाजपा के लिए दोनों ही राज्य अहम है। बीजेपी बिहारियों के सहारे बिहार व तमिलनाडु की सियासत साधने में लग गई है। जहां वह तमिलनाडु को कानून व्यवस्था पर घेरने के फिराक में है वहीं नीतीश व तेजस्वी को भी अपने निशाने पर ले लिया है। दरअसल, तमिलनाडु में बिहार के लोगों पर कथित अटैक को लेकर बीजेपी आक्रामक है। बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों में बीजेपी की ओर से यह मामला उठाया गया। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने विधानसभा में ऐसी घटना से इनकार किया। था। सरकार ने पहले ऐसी घटना को अफवाह बताया था। हालांकि, अब बढ़ते हंगामे के बीच सीएम नीतीश एक्टिव नजर आ रहे हैं।

बिहार व तमिलनाडु के आला अधिकारी संपर्क में

बिहार के चीफ सेक्रेटरी ने बताया कि उनकी बात तमिलनाडु के चीफ सेक्रेटरी से हुई है। मामले की डिटेल मांगी है। साथ ही बिहार के लोगों को सुरक्षा देने के लिए कहा है। सुबाहानी ने बताया कि बिहार के डीजीपी ने तमिलनाडु के डीजीपी से बात कर पूरे मामले की जानकारी मांगी है। इधर, तमिलनाडु के डीजीपी ने पूरे मामले को भ्रामक, अफवाह और झूठा बता दिया। उन्होंने तमिलनाडु पुलिस के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि वायरल वीडियो गलत है। तमिलनाडु में इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है। वहां बिहारी पूरी तरह सुरक्षित हैं। बिहार के ग्रामीण विकास सचिव बालमुरुगन डी की अध्यक्षता में टीम तमिलनाडु में प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी। ये टीम उन इलाकों का दौरा करेगी जहां बिहार के लोगों पर हमलों की रिपोर्ट सामने आई है। इस टीम के अन्य सदस्यों में पुलिस महानिरीक्षक पी कन्नन और विशेष सचिव (श्रम संसाधन विभाग) अलोक कुमार और एक और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल हैं

मजदूरी को लेकर विवाद

विवाद का एकमात्र कारण रोजगार को बताया जा रहा। दरअसल, बिहारी मजदूर 600-800 रुपए में 10-12 घंटे काम करते हैं। जबकि स्थानीय मजदूर 1000-1200 रुपए में 6-8 घंटे ही काम करना चाहते हैं। तमिलनाडु के श्रमिक बिहारियों से भी ऐसा करने के लिए कहते हैं। बिहारी मजदूरों के विरोध में तमिलनाडु में महिला-पुरुष लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। वे सरकार से रोजगार की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि बिहारियों के कारण तमिल लोगों को नौकरी नहीं मिल रही है। महीनों से चल रहा इनका आंदोलन अब हिंसक हो गया है। तमिलनाडु में बिहार के श्रमिको की खूब डिमांड है। यहां से लोगों को वहां ले जाने के लिए कंपनी संचालक दलालों का सहारा लेते हैं। कई लोक-लुभावन वादे करते हैं। जाने, ठहरने सब कुछ का प्रबंध किया जाता है। एक गांव से अगर कुछ लोग चले जाते हैं तो फिर धीरे-धीरे दूसरे लोग भी जाने लगते हैं। बिहार के मजदूर तमिलनाडु में मुख्य रूप से कपड़ा और धागा फैक्ट्री में अलग-अलग काम करते हैं। इसके अलावा मार्बल मिस्त्री का कम करते हैं। बिहार के हर जिले के लोग वहां जाते हैं। बिहार के एक लाख से ज्यादा लोगों के वहां होने का दावा किया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सीईसी की नियुक्ति पर अहम फैसला

चुनाव आयोग देश में मतदाता सूची तैयार कराने से लेकर चुनाव संचालित कराने तक की जिम्मेदारी निभाता है, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी का हित-अहित भी जुड़ा होता है। इसलिए कायदे से सरकार यानी कार्यपालिका को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से दूरी बनाए रखनी चाहिए। यह न केवल निष्पक्ष चुनाव कराने बल्कि खुद चुनाव आयोग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी है।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी)व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर कोलेजियम जैसी व्यवस्था देकर सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान की है। अब इन आयुक्तों की नियुक्ति पीएम, विपक्ष के नेता व सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की सहमति के बाद किया जाएगा। इस फैसले ने पिछले सात दशकों से चले आ रहे उस शून्य को भरा है, जो संसद के समय पर उपयुक्त पहल न करने की वजह से बना हुआ था। जैसा कि फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा, संविधान निर्माताओं को उम्मीद थी कि देश की संसद कानून बनाकर मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की एक वाजिब प्रक्रिया निर्धारित कर देगी। मगर सत्तारूढ़ पार्टियां संभवत: अपने हाथ से यह ताकत निकलने देना नहीं चाहती थीं और उनके प्रभाव में संसद अपनी इस जिम्मेदारी को पूरा करने से परहेज करती रही। यही वजह है कि 1990 में एक बार जब राज्यसभा में इस आशय का संविधान संशोधन विधेयक पेश किया भी गया तो बात नहीं बनी। चार साल तक ठंडे बस्ते में पड़े रहने के बाद यह विधेयक चुपचाप वापस ले लिया गया।

यही नहीं, इसके बाद 2015 में लॉ कमिशन ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की सदस्यता वाली एक समिति बनाने की सिफारिश की थी। लेकिन इसका भी कोई नतीजा नहीं निकला। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त की सरकार द्वारा नियुक्ति की अब तक प्रचलित प्रक्रिया में साफ तौर पर हितों का टकराव था। चुनाव आयोग देश में मतदाता सूची तैयार कराने से लेकर चुनाव संचालित कराने तक की जिम्मेदारी निभाता है, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी का हित-अहित भी जुड़ा होता है। इसलिए कायदे से सरकार यानी कार्यपालिका को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से दूरी बनाए रखनी चाहिए। यह न केवल निष्पक्ष चुनाव कराने बल्कि खुद चुनाव आयोग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में लॉ कमिशन की सिफारिशों के अनुरूप ही मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को बनाने की नई प्रक्रिया निर्धारित कर दी। कोर्ट ने संदेह की कोई गुंजाइश न रखते हुए यह भी कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष उपलब्ध न हों तो सदन में विपक्ष के सबसे बड़े दल के नेता को इस समिति में शामिल किया जाना चाहिए। अब उम्मीद की जानी चाहिए जो चुनाव होंगे वह निष्पक्ष होंगे और सत्ता पक्ष से लकर विपक्ष तक चुनाव आयोग के कामकाज पर उंगली नहीं उठाएंगे। वहीं ईवीएम जैसे मशीनों को भी कोसा नहीं जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकास की विसंगति से उपजी बदहाली

विश्वनाथ सचदेव

कुछ ही अर्सा पहले एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान ने घोषणा की थी कि भारत शीघ्र ही विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक ताकतों में शुमार हो जायेगा। भारत सरकार के समर्थकों और प्रशंसकों ने इस घोषणा का स्वागत किया था। फिर एक और अंतर्राष्ट्रीय संस्थान ने भारत की सोलह प्रतिशत आबादी के गरीब होने की घोषणा कर दी। फिर एक और ऐसा ही वक्तव्य आया, जिसमें भूख के सूचकांक के संदर्भ में 121 देशों में भारत का स्थान 107वां बताया गया था। यह बात उनको रास नहीं आयी जिन्होंने भारत के आर्थिक ताकत बनने की घोषणा का स्वागत किया था। कहा गया कि इस तरह की बातें करके कुछ तथाकथित वैश्विक संस्थान हमारे भारत की बदनामी करना चाहते हैं। यह तो संभव है कि किसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थान का कोई आकलन गलत हो, यह भी संभव है कि कोई संस्थान हमारे देश को बदनाम करना चाहता हो, लेकिन 'कड़वा-कड़वा थू और मीठा-मीठा गप' वाली बात नहीं होनी चाहिए। भारत के आर्थिक शक्ति बनने की बात कहने वाली संस्था और भारत की जनता की भूख के आंकड़े देने वाली संस्था, दोनों, विश्व की भरोसेमंद संस्थाएं मानी जाती हैं।

हमें ऐसी घोषणाएं करने वालों की नीयत पर शक करने के बजाय इन घोषणाओं से कुछ सीखने की आवश्यकता है। अर्थात यह कि ये आंकड़े हमें सावधान भी करते हैं और अपनी स्थिति सुधारने की प्रेरणा भी देते हैं। गरीबी के आंकड़ों की बात ही कर लें। हमें अच्छा नहीं लगता जब कोई कहता है कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद भी हमारे देश में गरीबों की अच्छी-खासी संख्या है; गरीबी यानी वे जो दो वक्त की रोटी नहीं जुटा पाते। अच्छा है कि हमें यह बात अच्छी नहीं लगती, पीड़ा होती है हमें, होनी भी चाहिए। पर ऐसी बात बताने वाले की नीयत पर शक करने की बजाय हमें सोचना यह चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों है, और कैसे बदल सकते हैं हम इस स्थिति को? यह तभी संभव है जब हम पहले वस्तुस्थिति को स्वीकार करें। वस्तुस्थिति यह है कि देश की अस्सी करोड़ जनता आज भी भूखी है और हमारी सरकार को उसे मुफ्त खाद्यान्न देना पड़ रहा है। पिछले तीन साल से ये भारतीय सरकारी मदद पर आश्रित होकर जीवन जी रहे हैं।

अस्सी करोड़ भारतीयों को मुफ्त खाद्यान्न देने की इस बात को हमारी सरकार अपनी उपलब्धि मानती है। यह उपलब्धि नहीं, एक विवशता है और शर्मनाक स्थिति है यह। हमें इस बात पर शर्म आनी चाहिए कि देश की इतनी बड़ी आबादी अपनी जरूरत का खाद्यान्न अपनी कमाई से जुटाने की स्थिति में नहीं पास है। निचली पचास प्रतिशत आबादी के पास देश की कुल तीन प्रतिशत संपदा है। आर्थिक विषमता की यह खाई विकास के हमारे सारे दावों को अंगूठा दिखा रही है। पिछले 75 सालों में विकास हुआ है, इसमें कोई संदेह नहीं है, पर इस विकास की गति धीमी भी है और यह विकास नितांत अपर्याप्त भी है। आंकड़े बता रहे हैं कि आज हमारे देश में 43 करोड़ श्रमिक हैं, इनमें आधे से भी कम लोगों के पास रोजगार है। जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है, देश की आधी से अधिक महिलाओं के शरीर में खून की कमी है। छह महीने से लेकर 23 माह के बच्चों में से सिर्फ ग्यारह प्रतिशत बच्चों को ही पूरा भोजन मिल रहा है।

है। हकीकत यह है कि प्रति व्यक्ति आय, बेरोजगारी, भोजन की उपलब्धि, आवास, सफाई आदि के मानकों को देखते हुए देश की लगभग एक-चौथाई आबादी आज गरीबी का जीवन जी रही है। हाल ही में देश का वार्षिक बजट पेश किया गया था। एक जाने-माने अर्थशास्त्री के अनुसार अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री ने सिर्फ दो बार 'गरीब' शब्द का इस्तेमाल किया है! क्या यह स्थिति उस शुतुरमुर्ग वाली बात याद नहीं दिलाती जो रेत में अपना सिर गढ़ा कर यह मान लेता है कि खतरा है ही नहीं? खतरा हमारे सिर पर मंडरा रहा है। उसकी अनदेखी करके नहीं, उसका मुकाबला करके ही स्थिति सुधारी जा सकती है। यह मुकाबला जानने के पहले हमें जानना होगा कि स्थिति है क्या? स्थिति यह है कि देश का गरीब और गरीब होता जा रहा है और अमीर और अमीर। देश की कुल संपत्ति का साठ प्रतिशत आज पांच प्रतिशत आबादी के देश के लगभग एक-तिहाई बच्चे अपर्याप्त वजन वाले हैं। सरकार दावे कर रही है कि हर घर में नल पहुंचा दिया गया है, शौचालय बना दिये गये हैं, हर गांव में स्कूल बन गये हैं, प्राथमिक से लेकर उच्चतम स्तर तक की शिक्षा-व्यवस्था हो चुकी है। पर हकीकत क्या है? आज देश के स्कूलों की स्थिति यह है कि सवा लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक पहली से पांचवीं तक के बच्चों को पढ़ा रहा है और आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों की स्थिति यह है कि वहां पर्याप्त अध्यापक नहीं हैं- 8153 स्वीकृत स्थानों में 3253 स्थान रिक्त पड़े हैं यानी पर्याप्त पढ़ाने वाले ही नहीं हैं। नये-नये आईआईटी और आईआईएम बनाये जाने की घोषणाएं तो हो रही हैं, पर हकीकत यह है कुछ ही अर्सा पहले तमिलनाडु में एक 'एम्स' बना दिये जाने की घोषणा हुई थी। विधानसभा में घोषणा तो हो गयी पर अभी 'एम्स' की चारदीवारी भी नहीं बनी थी!

मानवीय सरोकारों की भारतीय विदेश नीति

केएस तोमर

यह एक स्थापित तथ्य है कि पश्चिमी देशों, विशेषकर नाटो संधि वाले यूरोपीय देश अमेरिका व ब्रिटेन ने भूकंप प्रभावित तुर्की को तो सहायता देने का वादा किया लेकिन इसी संकट से रूबरू सीरिया को इनमें किसी भी देश द्वारा सहायता नहीं दी गई। सीरिया 2011 से भीषण आंतरिक युद्ध झेल रहा है तथा भूकंप के कारण वहां भी भारी क्षति हुई। सीरिया को मदद न देने का कारण था इस देश के राष्ट्रपति बशर-अल-असद का अमेरिका द्वारा विरोध और राष्ट्रपति के विरोधियों को सहायता। सीरिया के खिलाफ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन यूनियन, कनाडा व स्विटजरलैंड ने भी प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन भारत द्वारा पश्चिमी देशों के सीरिया के विरुद्ध लगाए गए प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए उसे मदद दी गयी। आर्थिक प्रतिबंधों और गृह युद्ध की मार झेल रहे सीरिया पर जब भूकंप ने भी कहर ढाया तो विकसित देश मानवीय सहायता के लिए आगे नहीं आए। एक अनुमान के अनुसार, सीरिया में भूकम्प से लगभग 3000 लोगों ने जान गंवाई और लाखों बेघर हो गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने तुर्की को भी इस आपदा के समय तुरन्त सहायता प्रदान कर जहां तुर्की के शासकों व लोगों का दिल जीता वहीं पाकिस्तान को भी झटका दिया जो तुर्की का नजदीकी था। भारत में तुर्की के राजदूत फिरत सुनेल ने कहा कि तुर्की भाषा व हिंदी में 'दोस्त' शब्द शामिल हैं, जिसका अर्थ मित्र है और असली दोस्त वही है जो मुसीबत के समय काम आए। वहीं फिरत सुनेल ने भारत का इस मानवीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि आपदा की सूचना मिलते ही भारत ने तुरन्त राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के दस्ते, जिसमें पुरुष, महिलाएं वह खोजी कुत्ते शामिल थे, के साथ आवश्यक दवाओं की खेप और उपकरण भेजे हैं। तुर्की में इस हादसे के बाद जब भारत ने तुरन्त सहायता सामग्री भेजी तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने देश की निकटता को दर्शाने के लिए तुर्की जाने का ऐलान कर दिया। लेकिन तुर्की सरकार ने शालीनता के साथ भूकम्प के कारण लोगों के दुख व परेशानियों का हवाला देकर उन्हें वहां न आने को कहा। विनाशकारी भूकंप के कारण तुर्की और सीरिया में मरने वालों की संख्या हजारों में है।

इससे पूर्व भी भारत ने नेपाल, मालदीव और श्रीलंका को भी आपात स्थिति में मानवीय और वित्तीय सहायता प्रदान करने की पहल की थी। यद्यपि नेपाल में वामपंथी सरकार थी, जिसका रवैया भारत विरोधी था लेकिन भारत ने कोविड महामारी से निपटने के लिए नेपाल को 10 लाख इंजेक्शन भेजे थे जिस कारण अनेक लोगों की जान बचाई जा सकी थी। बाद में नेपाल ने भारत में निर्मित को-वैक्सीन को मान्यता प्रदान की और नेपाली सरकार ने भारत का इस कठिन समय में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए आभार व्यक्त किया था। इसी तरह 2004 में जब प्रलयंकारी सुनामी ने मालदीव को तबाह किया था तब भी भारत ने तुरंत अपनी नौसेना के माध्यम से सहायता दी थी।

इसी प्रकार जब सिद्र नामक चक्रवाती तूफान ने नवंबर, 2007 में बांग्लादेश के तटीय क्षेत्रों में तबाही मचाई थी तो भारत ने उस समय भी सहायता प्रदान की थी। वर्ष 2008 में जब नरगिस चक्रवाती तूफान ने म्यांमार को क्षति पहुंचाई तो भी भारत वहां की सैन्य सरकार को सहायता देने से नहीं झिझका था। जब श्रीलंका की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई थी तो मित्र होने का दावा करने वाला चीन सहायता के लिए नहीं आया था जबकि भारत ने उस राष्ट्र द्वारा उठाए लगभग एक अरब डॉलर के ऋण में करीब 40 करोड़ डॉलर योगदान दिया था। इस मानवीय सहायता के कारण श्रीलंका के लोगों की सोच भारत के प्रति बदली क्योंकि इससे पहले चीन के दुष्प्रचार के कारण वहां की सरकार भारत की उपेक्षा कर रही थी। भारत द्वारा लचीली विदेश नीति अपनाने और जरूरतमंद देशों को तुरन्त मानवीय सहायता प्रदान करने की नीति के कारण धीरे-धीरे भारत की साख बढ़ी है और उन देशों में भारत को अच्छा मित्र माना जा रहा है जबकि चीन की गरीब देशों को दी गयी वित्तीय सहायता और कर्जों के कारण कई राष्ट्र अब वित्तीय संकट से गुजर रहे हैं। इसी प्रकार पाकिस्तान में जब बाढ़ ने तबाही मचाई तो चीन के दिशा-निर्देशों पर पाकिस्तान ने भारत की मानवीय सहायता ठुकरा दी थी जिस कारण इस देश के 3 करोड़ से अधिक लोगों को मुसीबतों से जूझना पड़ा और उन्हें लगभग 15 अरब डॉलर की क्षति उठानी पड़ी। अब भी पाकिस्तान जो आर्थिक विनाश के मुहाने पर खड़ा है, भारत से सहायता लेने को तैयार नहीं है। इसका कारण वहां लोकतांत्रिक सरकार के बावजूद सेना का सत्ता पर नियंत्रण है।

भारत ने विश्व के देशों को यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक कूटनीति में भारत स्वतंत्र नीति अपना रहा है। अमेरिका व पश्चिमी देश भी उसके निर्णय को प्रभावित नहीं कर सकते। इसी के चलते भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध में पश्चिमी देशों की तरह कोई निर्णय नहीं लिया। उसने विश्व को जता दिया कि रूस भारत का दशकों पुराना विश्वसनीय मित्र है जो इस कठिन दौर में भी भारत को सस्ता तेल उपलब्ध करवा रहा है। ताकि देश को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को बिल गेट्स के इस विचार से अवश्य ही संतोष मिला होगा कि 'मौजूदा हालात में भारत उन्हें भविष्य को लेकर सकारात्मक विचार के प्रति आश्वस्त करता है।' गेट्स का कहना था कि भारत निकट भविष्य में विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनेगा और इसी कारण समस्याओं को सुलझाने के लिए भी बड़ी पहल जरूरी होगी।

पूजन विधि

होलिका दहन से पहले होली पूजन का विशेष विधान है। इस दिन सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें। इसके बाद होलिका पूजन वाले स्थान में जाए और पूर्व या उत्तर दिशा में मुख करके बैठ जाएं। इसके बाद पूजन में गाय के गोबर से होलिका और प्रहलाद की प्रतिमाएं बनाएं। इसके साथ ही रोली, अक्षत, फूल, कच्चा सूत, हल्दी, मूंग, मीठे बताशे, गुलाल, रंग, सात प्रकार के अनाज, गेंहू की बालियां, होली पर बनने वाले पकवान, कच्चा सूत, एक लोटा जल मिष्ठान आदि के साथ होलिका का पूजन किया जाता है। इसके साथ ही भगवान नरसिंह की पूजा भी करनी चाहिए। होलिका पूजा के बाद होली की परिक्रमा करनी चाहिए और होली में जौ या गेहूं की बाली, चना, मूंग, चावल, नारियल, गन्ना, बताशे आदि चीज़ें डालनी चाहिए।

होली के हर रंग का होता है खास महत्व

रंग का लोगों के जीवन में खास महत्व है। वहीं रंगों के साथ दुनिया में बेहद खूबसूरत लगती है। यह रंग हमारी आंखों को सुकून पहुंचाते हैं, तो वहीं जीवन में उमंग, प्यार और खूबसूरती को बढ़ाते हैं। लाल रंग को प्यार का प्रतीक माना जाता है। हालांकि होली में लाल रंग का गुलाल जोश और ऊर्जा को जाहिर करता है। प्रकृति की सुंदरता को बढ़ाने वाली हरियाली हरे रंग से आती है। होली के मौके पर आप हरा रंग अपनों से बड़ों को लगा सकते हैं। होली के मौके पर लोग नारंगी रंग का उपयोग भी करते हैं। नारंगी रंग खुशियों, मिलनसारिता और खुशहाली का प्रतीक होता है। आप अपने दोस्तों, करीबियों और परिजनों को लगा सकते हैं। पीले रंग का गुलाल बेहद खूबसूरत लगता है। पीला रंग सुंदरता, पूजा और सम्मान का प्रतीक है। लड़कियों के चेहरे पर पीला रंग काफी आकर्षक लगता है। इसलिए बहनों को, महिला दोस्तों को या घर की महिलाओं को पीले रंग का गुलाल लगा सकते हैं।

पूर्णिमा प्रदोष काल में होलिका दहन करना उत्तम

होलिका दहन के समय भद्रा काल नहीं लगना चाहिए। दरअसल, ज्योतिष शास्त्र में भद्रा काल को अशुभ समय बताया गया है। कहा जाता है कि भद्रा काल में होलिका दहन करने से सुख समृद्धि में कमी आती है। इसके अलावा पूर्णिमा प्रदोष काल में होलिका दहन करना उत्तम माना जाता है। अगर प्रदोष काल में भद्र मुख लग जाए तो भद्रा मुख समाप्त होने के बाद होलिका दहन किया जाता है।

शुभ मुहूर्त

इस साल होलिका दहन का शुभ मुहूर्त पंचांग के अनुसार 7 मार्च को शाम 6 बजकर 24 मिनट से 8 बजकर 51 मिनट तक का है। मतलब होलिका दहन के 2 घंटे 27 मिनट का समय है। इसके साथ ही भद्रा काल का मुहूर्त 6 मार्च 2023 को शाम 4 बजकर 48 मिनट से शुरु होगा और 7 मार्च 2023 को सुबह 5 बजकर 14 मिनट तक रहेगा। इसके बाद ही होलिका दहन के लिए शुभ मुहूर्त शुरू होगा। होलिका दहन के अगले दिन यानी 8 मार्च को रंगों के साथ होली खेली जाती है। जिसे दुल्हेंडी के नाम से जाना जाता है।

पौराणिक कथा

होली मनाने के पीछे शास्त्रों में कई पौराणिक कथा दी गई है। लेकिन इन सबमें सबसे ज्यादा भक्त प्रहलाद और हिरण्यकश्यप की कहानी प्रचलित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, फाल्गुन मास की पूर्णिमा को बुराई पर अच्छाई की जीत को याद करते हुए होलिका दहन किया जाता है। कथा के अनुसार, असुर हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था, लेकिन यह बात हिरण्यकश्यप को बिल्कुल अच्छी नहीं लगती थी। बालक प्रह्लाद को भगवान की भक्ति से विमुख करने का कार्य उसने अपनी बहन होलिका को सौंपा जिसके पास वरदान था कि अग्नि उसके शरीर को जला नहीं सकती। भक्तराज प्रह्लाद को मारने के उद्देश्य से होलिका उन्हें अपनी गोद में लेकर अग्नि में प्रविष्ट हो गयी, लेकिन प्रह्लाद की भक्ति के प्रताप और भगवान की कृपा के फलस्वरूप खुद होलिका ही आग में जल गई। अग्नि में प्रह्लाद के शरीर को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस प्रकार होली का यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है।

हंसना मना है

शादी हमेशा अच्छा खाना पकाने वाली से करना चाहिए... क्योंकि... शादी के बाद प्यार कम हो सकता है, भूख नहीं...!!!

पप्पू एटीएम गया... तभी वहां एक आंटी मिल गई... आंटी- अरे, तुम यहां कैसे..? पप्पू - बस आंटी, एटीएम से पराठे निकलवाने आया था...!!!

पप्पू - स्वामी जी, यहां पहाड़ के ऊपर बहुत ठंड है, इतनी ठंड में भी आपकी खुशी का राज क्या है...? स्वामी जी - 21 वर्ष की तपस्या और ग्रीन टी मुझे ठंड से बचाते हैं! वैसे तुम क्या पसंद करोगे, तपस्या या ग्रीन टी...? पप्पू - जी ग्रीन टी...! स्वामी जी - तपस्या, दो कप ग्रीन टी लाना...!!! पप्पू बेहोश...

पत्नी ने प्लाजो की जिद की... पति ने पिताजी का 36 इंच मोहरी का पायजामा रंगवा कर दे दिया...! पत्नी खुशी जाहिर करते हुए नहीं थक रही... पिताजी पाजामा ढूंढते नहीं थक रहे... और...पति एक कोने में बैठकर हंसते नहीं थक रहा...!!!

मरीज - डॉक्टर, मैं खाना न खाऊं, तो मुझे भूख लग जाती है, ज्यादा काम करता हूं तो थक जाता हूं, देर तक जगा रहूं तो नींद आ जाती है, मैं क्या करूं...? डॉक्टर - रात भर धूप में बैठे रहो, सही हो जाओगे...!

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बड़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बड़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीखः हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

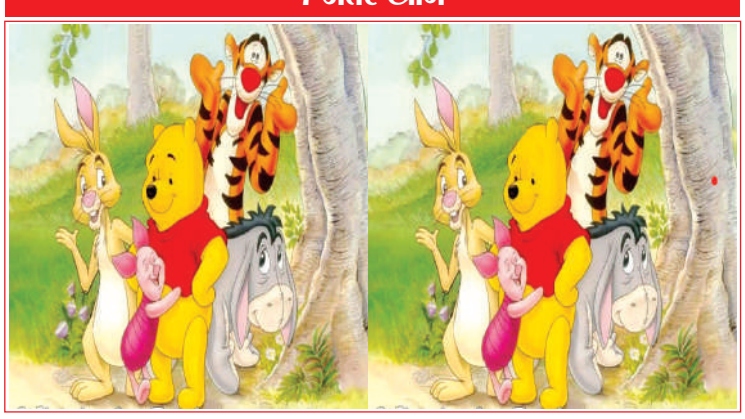

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार और व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

वृश्चिक

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

मिथुन

दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु

नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

कर्क

भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर

किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

सिंह

घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कुम्भ

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

कन्या

यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

मीन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

स्कूल के दिनों में प्रिंसिपल से बहुत मार पड़ती थी : रणबीर

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' को लेकर लाइमलाइट में हैं। इस फिल्म के लिए रणबीर कपूर बहुत एक्साइटेड हैं। रणबीर कपूर फिल्म की स्टार कास्ट के साथ इसका प्रमोशन कर रहे हैं। जल्द ही वह कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' में दिखाई देंगे। इसका प्रोमो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें रणबीर अपने बचपन का एक मजेदार किस्सा सुनाते नजर आ रहे हैं। रणबीर कपूर ने बताया कि स्कूल के दिनों में उन्हें प्रिंसिपल से बहुत मार पड़ी थी। एक्टर ने बताया कि बचपन में वह बोरिंग क्लास से भागने की कोशिश कर रहे थे। तभी प्रिंसिपल ने उन्हें रंगेहाथ पकड़ लिया था और बहुत पीटा था। रणबीर ने इस मजेदार किस्से को शो में शेयर किया। रणबीर ने कहा, मुझे याद है कि क्लास चल रही थी और एक ऐसा पीरियड चल रहा था, जो बहुत बोरिंग था। तो सामने टीचर था और मैं घुटनों के बल पर बैठकर क्लास के बाहर निकल रहा था। मैंने ऊपर देखा तो मेरा प्रिंसिपल खड़ा था। मेरे कान से उसने मुझे पकड़ा और कोरिडोर में उसने मुझे झापड़ मारकर यहां लेकर गया और फिर उसने मेरा बाल पकड़ा और मुझे टर्न किया और फिर मारा। उसके बाद उन्होंने मुझसे पूछा कि तुम क्या कर रहे थे? कपिल ने मजाक में कहा कि उन्हें थप्पड़ मारने से पहले पूछना था। लव रंजन की फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में रणबीर कपूर पहली बार श्रद्धा कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। फिल्म में श्रद्धा और रणबीर के अलावा कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी और अजय देवगन जैसे स्टार्स भी नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि फिल्म में कार्तिक आर्यन का भी कैमियो है। ये फिल्म 8 मार्च को रिलीज होगी।

फिर ग्लोबल लेवल पर छाई दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड | मसाला

ऑस्कर्स का हिस्सा होंगी प्रेजेंट करेंगी अवॉर्ड

दीपिका पादुकोण 95वें अकेडमी अवॉर्ड्स में बतौर प्रजेंटर नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने सोशल मीडियापर इस बात की जानकारी दी है। दीपिका के फैंस इस खबर से काफी खुश हैं। ऑस्कर में दीपिका पादुकोण की प्रजेंटर की न्यूज से फैंस के बीच एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। दीपिका पादुकोण न केवल इंडिया बल्कि विदेशों में भी काफी पॉपुलर हैं। दीपिका अक्सर बड़े इंटरनेशनल इवेंट्स में शिरकत कर चुकी हैं। इसी लिस्ट में दीपिका ऑक्सर 2023 में बतौर प्रेजेंटर के रूप में शामिल होंगी। दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है।

दीपिका के अलावा ये हैं प्रेजेंटर्स

ऑस्कर्स 2023 में बतौर प्रेजेंटर में दीपिका पादुकोण के अलावा रिज अहमद, एमिली ब्लंट, ग्लेन क्लोज, जेनिफर कॉनेली, एरियाना डीबोस, एल जैक्सन, ड्वेन जॉनसन, माइकल बी जॉर्डन, जोनाथन मेजर्स, ट्राई कोत्सुर, मेलिसा मैक्कार्थी, जो सलदाना, क्रेस्टलव, जेनेल मोनाए और डोनी येन हैं। दीपिका पादुकोण के वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका हाल ही में फिल्म पठान में नजर आई हैं। फिल्म में दीपिका के स्टाइल को काफी पसंद किया गया है। दीपिका पादुकोण जल्द ही प्रभास के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह सिंघम के नए पार्ट में भी नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका के पास हॉलीवुड की फिल्म भी है।

साउथ में रडार ऑफिसर बनेंगी मानुषी

मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर बॉलीवुड के बाद अब साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं, जिसकी जानकारी मानुषी ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर की है। वहीं, इस खबर को लेकर सोनी पिक्चर ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर की है, जिसमें उन्होंने मानुषी को कास्ट करने का ऐलान किया है। बता दें कि मानुषी ने इससे पहले 2022 में अक्षय कुमार की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से बॉलीवुड में एक्टिंग डेब्यू कर चुकी हैं।

बता दें कि यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज होगी साथ ही इस फिल्म की शूटिंग 3 मार्च से शुरू हो गई है।

फिल्म के टाइटल को लेकर बना है सस्पेंस

बता दें कि फिल्म के टाइटल का ऐलान पहले ही हो चुका है। लेकिन इसमें बदलाव भी किया जा सकता है। फिलहाल इस फिल्म का नाम वीटी 13 रखा गया है, लेकिन इसके तय टाइटिल का खुलासा बाद में किया जाएगा। मानुषी को एक अलग अंदाज में देखने के लिए उनके चाहने वाले अभी से काफी उत्साहित हैं।

जानकारी के मुताबिक यह सच्ची घटना पर आधारित एक एक्शन फिल्म है। इस फिल्म में वरूण तेज भारतीय सेना के पायलट के रूप में नजर आएंगे, वहीं मानुषी रडार ऑफिसर का रोल करेंगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान मशहूर डायरेक्टर शक्ति प्रताप सिंह ने संभाली है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मानुषी अपने इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इसे लेकर उन्होंने कहा मैं एक्शन से भरी इस अद्भुत और भव्य फिल्म का हिस्सा बनकर और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शन और रिनासा पिक्चर्स के साथ काम करके बेहद खुश हूं। मैं शक्ति प्रताप सिंह को मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद कहती हूं। मैं भारतीय वायुसेना के अधिकारियों के बारे में जानने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

अजब-गजब | इस खास वजह से शुरू हुई थी प्रतियोगिता

यहां गंजों के बीच होती है रस्साकशी

जब आप स्कूल-कॉलेज में रहे होंगे, तब आपने रस्साकशी की प्रतियोगिता जरूर देखी होगी, और संभव है कि आपने उसमें भाग भी लिया हो। इस खेल में एक बेहद मोटी रस्सी को दो टीमें दोनों छोर से पकड़ी हैं और मिलकर अपनी-अपनी ओर खींचती है। जो टीम, दूसरे टीम को खींचकर बीच की लाइन के पार लेती आती है, वो जीत जाती है। पर क्या आपने कभी गंजों की रस्साकशी देखी है? एक देश है जहां सिर्फ गंजे ही इस अनोखी प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं और सिर के सहारे रस्सी खींचते हैं।

जापान के आमोरी में एक छोटा सा शहर है जिसका नाम है सुरुता। यहां हर साल एक प्रतियोगिता होती है जिसे Suction Cup Tug-of-War" कहते हैं। नाम से ही आपको इस प्रतियोगिता का कुछ अंदाजा तो हो गया होगा। दरअसल, इस प्रतियोगिता में एक डोरी को सक्शन कप, यानी प्लास्टिक के चिपकने वाले कप के जरिए बांधा जाता है और कप को गंजे लोग खींचते हैं। अपने सिर से खींचते हैं। दरअसल, सक्शन कप को उनके सिर पर चिपका दिया जाता है, और फिर उसी के सहारे वो रस्सी अपनी ओर खींचते हैं। जिस व्यक्ति के सिर से सक्शन कप पहले निकलता है, उसकी हार हो जाती है। लोग जीतने के लिए काफी योजनाएं बनाते हैं। बहुत लोग तो सिर पर तेल जैसे पदार्थ लगाकर आते हैं जिससे सक्शन कप तेजी से चिपक जाए। पिछले 3 सालों से, कोरोना के चलते ये प्रतियोगिता नहीं हुई थी, इसलिए जब इस साल 22 फरवरी को इसका आयोजन हुआ, तो बढ़-चढ़कर लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। इस साल मिस्टर ओटा विजेता बने हैं जिन्हें ये तीसरी बार पुरस्कार मिल रहा है।

इस वजह से शुरू हुआ था टूर्नामेंट

1989 में सुरुता हागेमासू एसोसिएशन ने इस प्रतियोगिता की शुरुआत की थी। उनका विश्वास था कि इस प्रतियोगिता के जरिए वो गंजों में आत्मसम्मान और कॉन्फिडेंस की भावना को जाएंगे। इसको शुरू करने के पीछे कारण ये था कि बाल झड़ जाने के बाद अक्सर मर्द खुद को हीन समझने लगते हैं और उनका मनोबल खत्म हो जाता है। ऐसे मर्दों को विजेता मेहसूस करवाने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किया गया था। देखते ही देखते इसने इतना बड़ा रूप ले लिया कि अब इसे "National Sucker Tug of War Tournament" के नाम से भी जाना जाता है।

अजीबोगरीब कैफे! सांप-बिच्छुओं के साथ लोग ले रहे खाने का मजा

अपने दुनिया के तमाम अजीबोगरीब रेस्टोरेंट के बारे में सुना होगा। वियतनाम के फिश कैफे में फर्श पर मछलियां तैरती हैं और बीच में लोग खाना खाते हैं तो जापान के एक रेस्टोरेंट में खून से सनी दीवारों के बीच लोग भोजन का लुत्फ उठाते हैं। यहां पर डिनर करते समय सिर्फ मोमबत्ती या छोटा लैंप ही जलाया जाता है और माहौल को और डरावाना बनाने के लिए सभी वेटर पिशाच वाले कपड़े पहन कर खाना देने आते हैं। अब एक नया कैफे खुला है जहां लोग सांप बिच्छुओं के साथ खाने का लुत्फ उठा रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां आने वालों में बच्चे सबसे ज्यादा हैं। यह कैफे मलेशिया में खुला है और इसे पहला कीड़े मकोड़ों वाला कैफे बताया जा रहा है। कैफे के मालिक याप मिंग यांग सरीसृपों यानी रेप्टाइल्स के दीवाने हैं। उनको लगता है कि सांप और छिपकलियों के साथ अच्छा वक्त बिताने से आम लोगों को उनकी कद्र होगी। लोग कुत्ते बिल्लियों की तरह उन्हें भी प्यार करेंगे। यांग ने रायटर्स को बताया कि अभी हमने सिर्फ उन जीवों को रखा है जो हमारे यहां मिलते हैं। कई दुर्लभ किस्में भी रखी हैं, जिनमें बीयर्डेड ड्रैगन, लेपर्ड गेको और कॉर्न स्नेक। यहां लोग तमाम जीवों को देखते हुए खाने का लुत्फ उठा सकेंगे। जबसे यह कैफे खुला है लोगों की भीड़ उमड़ रही है। यहां आने वालों में ज्यादातर तादात बच्चों की है। खाना पीना ऑर्डर करते समय भी वे इन्हें अपने हाथ में रखना चाहते हैं। तमाम लोग सांपों, छिपकलियों, टारनटुलस, मेंढकों, बीयर्डेड और लेपर्ड गेको के साथ सेल्फी लेते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। इससे इस कैफे के प्रति लोगों की दीवानगी और बढ़ गई है। याप ने कहा कि बहुत सारे लोग बाहर इन जंतुओं को नहीं छू सकते लेकिन उन्हें यहां हम मौका दे रहे हैं।

तमिलनाडु-बिहार विवाद पर केंद्र की चुप्पी उचित नहीं : तेजस्वी

» कहा,समाधान में भूमिका निभाए मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव तमिलनाडु व बिहार का विवाद दो राज्यों का ममला है पर केंद्र सरकार कोई संज्ञान नहीं ले रही। तेजस्वी ने भारत सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर यह दो राज्य का मामला है, विवाद उत्पन्न हो रहा है तो भारत सरकार क्यों चुप है? भारत सरकार की इस मामले के समाधान के लिए भूमिका बनती है। तेजस्वी ने कहा देश में कोई भी कहीं भी जा सकता है आ सकता है।

आप ही बताइए कि कोई एक आदमी अगर गलती करता है तो

क्या पूरा राज्य दोषी हो सकता है? अगर बिहार में कोई एक आदमी गलती करेगा तो दोषी ही पूरा बिहार नहीं ना होगा यह मुल्क हम सबका है हम कहीं भी जा सकते हैं कोई हमारे यहां भी आ सकते हैं। लेकिन अगर कोई तमिलनाडु में इस तरह का काम कर रहा है तो हम लोग तो कह रहे हैं कि सरकार को इसकी जांच करवाकर इस पर कठोर करनी चाहिए। हमलोगों ने वहां की स्थिति को जानने के लिए बिहार से जांच टीम भेज दिया है।

घृणा फैलाने वालों से सावधान रहना चाहिए

कोई भी इस देश में रहकर अगर घृणा फैलाने का काम करेगा, समाज को बांटने का काम करेगा तो इनसे आपको सावधान रहना चाहिए। तमिलनाडु पुलिस का मानना है कि वहां ऐसी घटना नहीं हुई है ऐसा हम अपनी तरफ से नहीं कह रहे हैं। वीडियो देखकर ही हम लोगों ने तमिलनाडु में जांच टीम भेजी है। अगर कोई केस हुआ है तो भाजपा को इसका जवाब देना चाहिए।

कभी महाराष्ट्र में भाजपा को गली का कुत्ता भी नहीं पूछता था : उद्धव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवेसना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग पर तगड़ा वार किया है। एक सभा में ठाकरे ने चुनाव आयोग को चुनौती देते हुए कहा, मैं चुनाव आयोग से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि अगर आपकी आखों में मोतियाबिंद नहीं हुआ है, तो आइए शिवसेना से मिलिए और देखिए कि असली शिवसेना कौन सी है।

शिवसेना की स्थापना चुनाव आयोग के पिता ने नहीं, मेरे पिता ने की थी। उन्होंने कहा,जब बीजेपी को गली का कुत्ता भी नहीं पूछता था, तब शिवसेना और बालासाहेब ठाकरे बीजेपी के पीछे मजबूती से खड़े रहे। बीजेपी आज सबसे बड़ी भ्रष्ट पार्टी है, क्योंकि जिन पर बीजेपी ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, वे बीजेपी में शामिल हो गए हैं। कोकण के रत्नागिरी जिले के खेड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह का फैसला

» कहा, चुनाव आयोग सरकार का गुलाम

पिछले दिनों केंद्रीय चुनाव आयोग के बारे में दिया है, वैसा ही फैसला ईडी और सीबीआई के बारे में भी आना चाहिए। चुनाव आयोग के इस फैसले से नाराज शिवसेना उद्धव गुट ने राज्य भर में शिवगर्जना अभियान शुरू किया है। उसकी के तहत उद्धव ठाकरे की सभा का मैदान लोगों से खचाखच भरा हुआ था। सभा में उद्धव ने कहा, चुनाव आयोग सत्ता का गुलाम बन गया है।

चंदे को लेकर दो समुदायों में बवाल

मौके पर कई थानों की पुलिस तैनात, दहशत के दो घंटे, पुलिस के सामने छतों से बरसाए ईंट-पत्थर, घरों में छिपीं महिलाएं और बच्चे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ के ब्रह्मपुरी में बवाल के दौरान शारदा रोड व भूमिया पुल रोड दहल गया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस उसे संभालने में नाकाम रही। घटनास्थल के पीछे ब्रह्मपुरी थाना है, फिर भी शुरुआत में हुए विवाद पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका। बवाल के 15 मिनट बाद पुलिस पहुंची जरूर पर बवालियों को पुलिस का भी डर नहीं था। वह उनके सामने ही पथराव कर रहे थे। कुछ हमलावरों ने तो पुलिस पर भी पत्थर फेंके। उन्हीं के सामने छत से पत्थर बरसाए गए। गली में हर तरफ ईंटें ही ईंटें दिखाई दे रही थी।

कुछ लोगों ने बोतलों से भी हमला किया। कुछ घरों के शीशे भी टूट गए थे। महिलाएं और बच्चे जान बचाने के लिए घरों में घुस गए थे। फायरिंग का भी आरोप है, लेकिन

पुलिस मना कर रही है। मारपीट और पथराव का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी प्रसारित हो गया था। खुफिया तंत्र पूरी तरह फेल नजर आया। होली और शब-ए-बरात को लेकर पुलिस-प्रशासन के अफसर लगातार शांति समितियों की बैठक कर रहे हैं। दो दिन पहले एसएसपी और डीएम ने पुलिस लाइन में बहुदेशीय हॉल में सभी धर्मो के गणमान्य लोगो के शांति बैठक करी थी जिसमे सभी थानेदार भी मौजूद थे और लोगो ने आश्वासन दिया था की होली और शव ए रात को लेकर शांति बनाए रखेंगे। एडीजी से लेकर आइजी और एसएसपी भी गश्त कर रहे हैं। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। बावजूद इसके ब्रह्मपुरी में कहीं भी शांति समिति की बैठकों का असर दिखाई नहीं दिया। भाजपा नेताओं का कहना था कि जो लोग शांति समितियों की बैठक में शांति की बातें करते हैं, वही बवाल में शामिल थे। एसपी सिटी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। हिन्दू जागरण मंच के पूर्व महानगर अध्यक्ष सचिन सिरोही ने भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। उधर,घटना के बाद खुफिया तंत्र के कर्मचारी और अधिकारी वीडियो बना रहे थे। भाजपा नेताओं की मौके पर वीडियो बनाई जा रही थी। भाजपा नेता राकेश गौड भड़क गए और कहा कि आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करो, हमारी वीडियो मत बनाओ।

देश में बदलाव की चलेगी बयार : शरद पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। देश में हुए हालिया चुनाव के नतीजों में बीजेपी ने दो राज्यों में बीजेपी ने जीत दर्ज की है। इस जीत की गूंज महाराष्ट्र समेत पूरे देश में सुनाई दी। हालांकि, ष्टइस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक गुरु शरद पवार ने अलग ही बात कही है। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने देश में बीजेपी की मौजूदा स्थिति पर कहा कि फिलहाल देश बदलाव के लिए तैयार हो रहा है।

केरल में बीजेपी नहीं है, तमिलनाडु में बीजेपी नहीं है। कर्नाटक में कांग्रेस थी लेकिन वहां विधायकों और सांसदों को फोड़ा गया और फिर बीजेपी की सरकार बनाई गई।

देश के कई राज्यों में बीजेपी नहीं है। यह सब कुछ इशारा करता है कि देश अब बदलाव चाहता है। इसके परिणाम आपको आने वाले चुनावों में नजर आएंगे।

सानिया ने टांगा टेनिस रैकेट, लिया संन्यास

नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। भारत की पूर्व महान टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने जहां से अपने टेनिस करियर की शुरुआत की थी, वहीं अपना विदाई मैच खेलकर शानदार करियर का समापन खुशी के आंसूओं के साथ किया। हैदाराबाद की सानिया ने रविवार को लाल बहादुर स्टेडियम में प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लिया। हालांकि वह

मुकाबलों के बाद दर्शकों की हौसला अफजाई को देखकर भावुक हो गईं।

36 साल की सानिया के अलावा इन प्रदर्शनी मुकाबलों में रोहन बोपन्ना, युवराज सिंह और उनकी मित्र बेथानी माटेक सैंड्स भी शामिल थीं। सानिया ने लाल बहादुर टेनिस स्टेडियम में करीब दो दशक पहले ऐतिहासिक डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

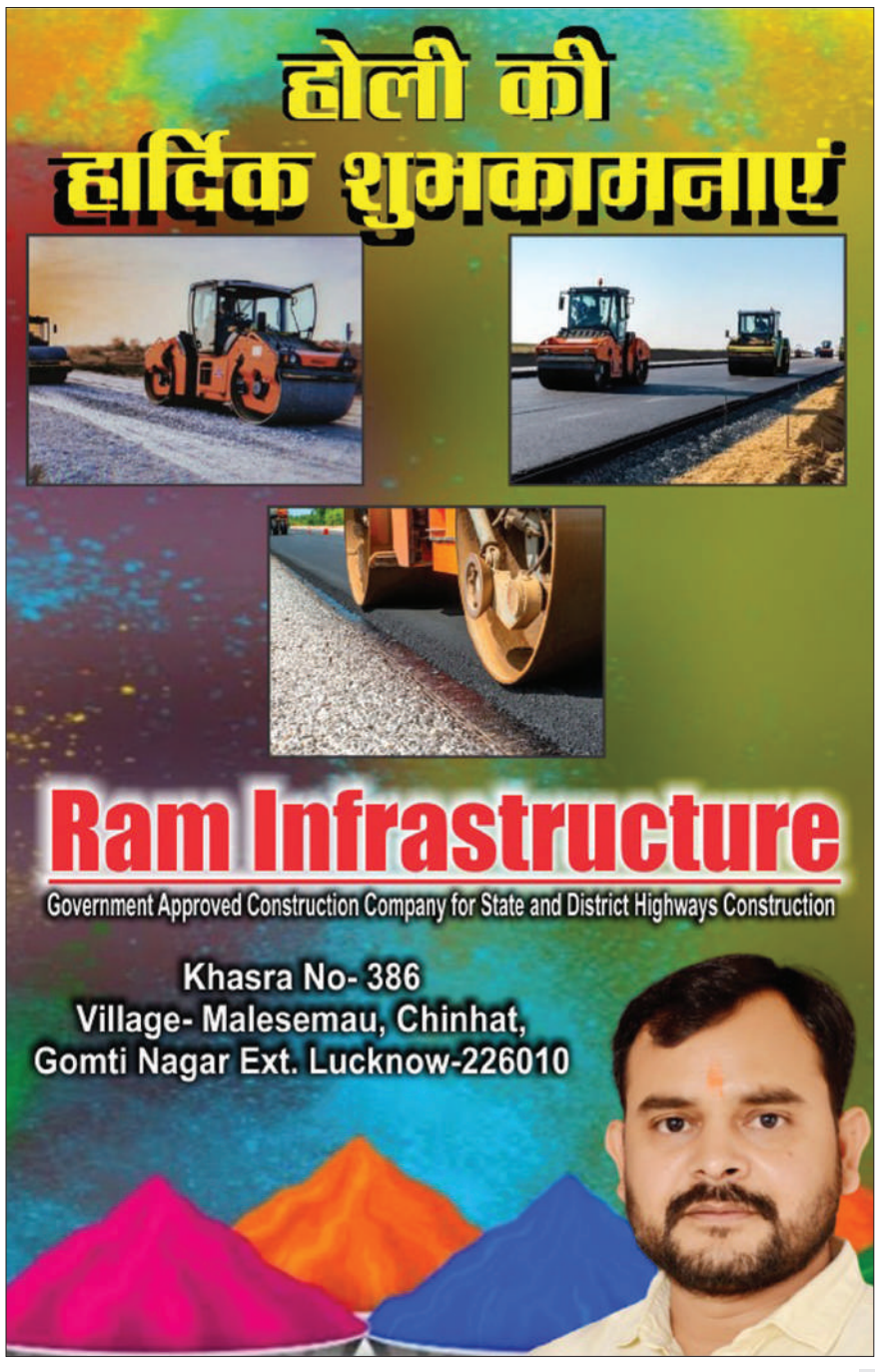

राबड़ी के घर पहुंची सीबीआई, बिहार में संग्राम

जमीन के बदले करीबियों को नौकरी देने के मामले में चल रही पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विपक्ष के नेताओं द्वारा पीएम को चिट्ठी भेजने के एक दिन बाद सीबीआई सोमवार को राबड़ी देवी के घर पहुंच गई। राबड़ी के घर सीबीआई के पहुंचने की खबर जैसे ही बाहर आई पूरे बिहार समेत देश में विपक्ष ने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया।

सोमवार को सीबीआई की टीम पटना में राबड़ी आवास पर पहुंची हैं। बताया जा रहा है कि जमीन के बदले करीबियों को रेलवे में नौकरी देने के मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। लालू परिवार से इस संबंध में पूछताछ की सूचना है। जानकारी के अनुसार, सुबह 10.30 बजे सीबीआई के तीन-चार अधिकारी 10 सर्कुलर रोड पहुंचे और अनुमति लेकर अंदर आये। फिलहाल राबड़ी देवी से पूछताछ हो रही है। इसी के साथ लालू परिवार की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ती नजर आ रही है। उल्लेखनीय है कि जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने के घोटाले के मामले में दिल्ली की आदालत ने 15 मार्च को पूर्व रेल मंत्री लालू यादव, राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती समेत अन्य

जो विपक्षी नेता भाजपा के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं, उन्हें ईडी-सीबीआई के जरिये प्रताड़ित किया जा रहा है। आज राबड़ी देवी जी को परेशान किया जा रहा है। लालू जी व उनके परिवार को वर्षों से प्रताड़ित किया जा रहा है, क्योंकि वे झुके नहीं। भाजपा विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है। -प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव

राबड़ी देवी के घर सीबीआई का पहुंचना गलत है, विपक्ष के लोगों पर छापे मारना सही नहीं, यह ट्रेंड बन रहा है, जिन राज्यों में विपक्ष है वहां उन्हें काम नहीं करने दिया जाएगा। - अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा : रेणु देवी

विधानसभा में बिहार की पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा नेत्री रेणु देवी ने कहा कि सीबीआई सरकारी संस्था है। वह अपना काम करेगी। हमलोग अपना काम कर रहे हैं। जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। अगर कुछ होगा तो निकलेगा, नहीं होगा तो नहीं निकलेगा। कोई केंद्र सरकार का पिट्ठू नहीं होता है। स्वायत्त संस्था है वह अपना काम कर कर रही। अगर हम गलत होंगे तो वो संस्था हमारे ऊपर भी कार्रवाई करेगी।

राबड़ी के आवास के बाहर राजद समर्थकों की भीड़

इधर, सीबाईआई की टीम पहुंचे की सूचना पर राबड़ी आवास के बाहर राजद समर्थकों की भीड़ जुटने लगी है। समर्थक केंद्र सरकार के विरोध में नारेबाजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि मोदी सरकार लालू-तेजस्वी से डरी हुई है इसलिए सीबीआई की टीम को यहां भेजा है। राजद विधायक ने कहा कि लालू परिवार को ट्रॉर्चर करने, धमकाने और सरेंडर के लिए सीबीआई की टीम यहां भेजी है। गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू और तेजस्वी किसी कीमत पर झुकने वाले नहीं है। जनता इसका माकूल जवाब 2024 में देगी।

मेघालय में नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

संगमा को मिला यूडीपी और पीडीएफ का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिलांग। मेघालय विधानसभा का सोमवार को विशेष सत्र बुलाया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायकों को पद की शपथ दिलाई गई। शपथ दिलाने और विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव कराने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया। सभी नवनिर्वाचित 59 सदस्यों ने मेघालय विधानसभा के विधायक के रूप में शपथ ली।

मेघालय के नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह 60 सीटों वाली राज्य विस के विशेष सत्र में चल रहा है। प्रोटेम स्पीकर टिमोथी डी शिरा विधायकों को पद की शपथ दिला रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह से पहले कोनराड संगमा से उनके आवास पर पीडीएफ विधायक मिले । पीडीएफ विधायक बंतेइडोर लिंगदोह और गेविन मिल्लिमेंगैप ने संगमा से उनके आवास पर हाल ही में मुलाकात की ।

कोनराड ने दिया धन्यवाद

एनपीपी नेता कोनराड संगमा ने एनपीपी को समर्थन देने के लिए भाजपा को धन्यवाद दिया। संगमा ने कहा कि हम मेघालय और इसके लोगों की सेवा के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

अमिताभ बच्चन की पसली में लगी चोट

» शूटिंग के दौरान हुए घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। महानायक अभिताभ बच्चन के फैंस के लिए एक बुरी खबर है, बिग बी हैदराबाद में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान गंभीर रुप से घायल हो गए, यह हादसा तब हुआ जब अमिताभ फिल्म 'प्रोजेक्ट के' लिए एक एक्शन सीन शूट कर रहे थे। हादसे के बाद फिल्म की शूटिंग रोक दी गई। अभिनेता हैदाराबाद में उपचार के बाद मुंबई अपने घर लौट चुके हैं। जिसके बाद फिलहाल फिल्म की शुटिंग रोक दी गई है। सीनियर बच्चन ने ब्लॉग लिखकर यह जानकारी दी।

अब तिहाड़ पहुंचे सिसोदिया 20 मार्च तक रहेंगे हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने सिसोदिया को 20 मार्च तक लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दरअसल, चार मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की सीबीआई रिमांड को दो दिन और बढ़ा दिया था।

हालांकि सीबीआई ने अदालत से मनीष सिसोदिया को तीन और दिनों के लिए रिमांड पर देने की मांग की थी। अदालत ने सिसोदिया द्वारा दायर जमानत पर सीबीआई को नोटिस भी जारी किया। सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई 10 मार्च को होगी। दिल्ली शराब नीति मामले में गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एक सप्ताह से सीबीआई की हिरासत में हैं। सिसोदिया को गिरफ्तारी के बाद पांच दिनों के लिए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया गया था। उन्हें शनिवार को अदालत में पेश किया गया था, विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने केंद्रीय एजेंसी को दो और दिनों के लिए अपनी रिमांड पर भेजा था।

उमेश पाल हत्याकांड: एनकाउंटर में एक और आरोपी उस्मान चौधरी ढेर

50,000 का इनाम था मारे गये बदमाश पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज । प्रयागराज के उमेशपाल हत्याकांड के एक आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। मारे गये बदमाश पर 50 हजार का इनाम था। प्रयागराज में हुए उमेश पाल और दो यूपी पुलिस के सिपाहियों की हत्या के मामले में पुलिस और एसटीएफ की टीम एक्शन में है। सोमवार की सुबह पुलिस और एसटीएफ ने प्रयागराज के कौंधियारा में हुई मुठभेड़ में बदमाश विजय उर्फ उस्मान चौधरी को ढेर कर दिया। विजय उर्फ उस्मान चौधरी ने ही उमेश और सरकारी गनर पर पहली गोली चलाई थी। गोली लगने के बाद गनर कुछ नहीं कर पाया था। घटना के बाद एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। फुटेज में एक शख्स हाथ में पॉलीथीन लिए हुए फायरिंग करता हुआ दिखाई दे रहा है। इस बदमाश की फायरिंग से सरकारी गनर गिर गया था। इसी वजह से वह जवाबी कार्रवाई भी नहीं कर पाया था।

प्रयागराज पुलिस ने उमेश हत्याकांड में शामिल सभी बदमाशों की शिनाख्त कर ली थी, लेकिन विजय उर्फ उस्मान चौधरी की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस ने अपने मुखिबरों को अलर्ट किया। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पुलिस को एक फोन आया। इस फोन पर ही उमेश और सरकारी गनर पर पहली गोली चलाने वाले विजय उर्फ उस्मान की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने उस्मान को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। तड़के जैसे ही उस्मान को पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपी ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। गोली लगने से एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गोली चलाई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।